खण्ड क्र. 3

मुनि श्री संभवसागर जी खण्ड

विषय : धार्मिक प्रश्न 250

आयु वर्ग - 18 वर्ष से अधिक

पृष्ठ क्रमांक 63 से 82 तक

विद्योदय प्रश्नोत्तरी

प्रश्न १-. जैन धर्म में किस मंत्र का सबसे ज्यादा महत्त्व है।

(१) सरस्वती मंत्र (२) गायत्री मंत्र

(३) महावीर मंत्र (४) णमोकार मंत्र (❋)

प्रश्न २-. णमोकार मंत्र से कितने मंत्रों की उत्पत्ति मानी जाती है।

(१) ८० लाख (२) ८४ लाख (❋)

(३) ८२ लाख (४) ८६ लाख

प्रश्न ३-. णमोकार मंत्र में किसको नमस्कार किया गया है।

(१) महापुरुषों को (२) तीर्थंकरों को

(३) पूज्य पुरुषों को (४) पंचपरमेष्ठियों को (❋)

प्रश्न ४-. जैन धर्म किसने चलाया?

(१) भगवान आदिनाथ ने (२) भगवान महावीर स्वामी ने

(३) भगवान पार्श्वनाथ ने (४) किसी ने नहीं (❋)

प्रश्न ५-. जिनेन्द्र किसे कहते हैं ?

(१) जो वीतरागी हो (२) जो सर्वज्ञ हो

(३) जो हितोपदेशी हो (४) सभी (❋)

प्रश्न ६-. जैन धर्म के सिद्धान्त कौन से हैं?

(१) अहिंसा,अपरिग्रह,स्याद्वाद, अनेकांत (❋) (२) अहिंसा, असत्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य

(३) क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच (४) सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र

प्रश्न ७-. अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु परमेष्ठी के मूलगुण क्रमशः हैं।

(१) ४६, २८, ३६, २५, ८ (२) ३६, ८, ४६, २५, २८

(३) ४६, ८, ३६, २८, २५ (४) ४६, ८, ३६, २५, २८ (❋)

प्रश्न ८-. देवदर्शन किस आसन में बैठकर करना चाहिए।

(१) पद्मासन में (२) खड्गासन में

(३) गवासन में (❋) (४) कायोत्सर्गासन में

प्रश्न ९-. कितने तीर्थंकरों के चिन्ह सजीव हैं।

(१) २० (२) २२

(३) २१ (❋) (४) १८

प्रश्न १०-.विदेह क्षेत्र में कितने तीर्थंकर हमेशा विद्यमान रहते हैं?

(१) २२ (२) २० (❋)

(३) २४ (४) १८

प्रश्न ११-.शरण कितनी होती हैं?

(१) ५ (२) ३

(३) ४ (❋) (४) ६

प्रश्न १२-.हमारा जीवन किसके बिना नहीं चल सकता?

(१) शरीर के बिना (२) खून के बिना

(३) भोजन के बिना (४) पंच स्थावर के बिना (❋)

प्रश्न १३-.तीर्थंकर के कौन सी विशेषता नहीं होती है

(१) पैरों के नीचे कमलों की रचना होना (२) समवसरण की रचना होना

(३) प्रतिदिन देवदर्शन करना (❋) (४) मल मूत्र का नहीं होना

प्रश्न १४- तीर्थंकरों का जन्म किस काल में होता है।

(१) सुषमा काल में (२) सुषमा सुषमा काल में

(३) दुषमा सुषमा काल में (❋) (४) सुषमा दुषमा काल में

प्रश्न १५- तीर्थंकर भगवान के चिन्ह कौन रखता है?

(१) ईशान इन्द्र (२) सानत्कुमार इन्द्र

(३) सौधर्म इन्द्र (❋) (४) माहेन्द्र इन्द्र

प्रश्न १६- जैन ध्वज में क्रमशः कौन से रंग होते हैं?

(१) लाल पीला हरा नीला काला (२) सफेद लाल पीला नीला हरा

(३) काला नीला पीला हरा लाल (४) सफेद लाल पीला हरा काला (❋)

प्रश्न १७- समवसरण की ध्वज भूमि में कितनी ध्वजायें होती हैं?

(१) ४,७०,८७० (२) ४,७०,८८० (❋)

(३) ४,७०,८८१ (४) ४,७०,८७८

प्रश्न १८- चक्रवर्ती के कितने रसोइया होते हैं?

(१) ३६० (❋) (२) ३६१

(३) ३६६ (४) ३६४

प्रश्न १९- चक्रवर्ती के अश्व रत्न का क्या नाम है?

(१) जनञ्जय (२) धनञ्जय

(३) जयञ्जय (४) पवनञ्जय (❋)

प्रश्न २०- चक्रवर्ती के श्रीगृह में कौन सा रत्न उत्पन्न होता है?

(१) छत्र रत्न (२) असि रत्न

(३) दण्ड रत्न (४) चर्म रत्न (❋)

प्रश्न २१- चक्रवर्ती की निधियाँ किसके अधीन रहती हैं?

(१) सेनापति (२) चक्रवर्ती

(३) पुरोहित (४) गृहपति (❋)

प्रश्न २२- ७ धनुष की ऊँचाई किसकी थी?

(१) भगवान पार्श्वनाथ की (२) ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की (❋)

(३) महावीर स्वामी की (४) राम की

प्रश्न २३- अन्तर्मुहूर्त में किसको केवलज्ञान हुआ?

(१) भगवान मल्लिनाथ को (२) भरत चक्रवर्ती को (❋)

(३) भगवान महावीर को (४) सगर चक्रवर्ती को

प्रश्न २४- लक्ष्मण जी कौन से नारायण थे?

(१) ७ वें (२) ६ वें

(३) ९ वें (४) ८ वें (❋)

प्रश्न २५- हनुमान कौन से कामदेव थे?

(१) १७ वें (२) १६ वें

(३) १९ वें (४) १८ वें (❋)

प्रश्न २६-सबसे कम समय तक तीर्थंकर पद पर कौन रहा?

(१) भगवान पार्श्वनाथ जी (२) भगवान महावीर स्वामी जी (❋)

(३) भगवान नेमिनाथ जी (४) भगवान नमिनाथ जी

प्रश्न २७- घोर उपसर्ग विजेता कौन थे?
(१) भगवान सुपार्श्वनाथ जी (२) भगवान महावीर जी
(३) भगवान धर्मनाथ जी (४) भगवान पार्श्वनाथ जी (❋)
प्रश्न २८- णमोकार का जाप करना सबसे बड़ा स्वाध्याय है-किसने कहा?
(१) आ. श्री देवसेन जी (२) आ. श्री अकलंक स्वामी जी
(३) आ. श्री नागसेन जी (❋) (४) आ. श्री समन्तभद्र स्वामी जी
प्रश्न २९- अंतिम कुलकर का नाम क्या था?
(१) प्रसेनजित (२) मरुदेव
(३) नाभिराय (❋) (४) अभिचन्द्र
प्रश्न ३०- ११ वर्ष की आयु में किसने दीक्षा ली?
(१) आ. जिनसेन जी (२) आ. समन्तभद्र जी
(३) आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी (❋) (४) आ. उमास्वामी जी
प्रश्न ३१- आचार्य श्री उमास्वामी महाराज के दीक्षा गुरु कौन थे?
(१) आ. पद्मनन्दी जी (२) आ.भद्रबाहु जी
(३) आ. समन्तभद्र स्वामी जी (४) आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी (❋)
प्रश्न ३२- आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी की समाधि कब हुई?
(१) ईसा पूर्व ११ वीं शताब्दी (२) ईसा पूर्व १२ वीं शताब्दी (❋)
(३) ईसा पूर्व १३ वीं शताब्दी (४) ईसा पूर्व १४ वीं शताब्दी
प्रश्न ३३- वक्रग्रीवाचार्य किन आचार्य का नाम था?
(१) आ. पद्मनन्दी जी (२) आ.भद्रबाहु जी
(३) आ. समन्तभद्र स्वामी जी (४) आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी (❋)
प्रश्न ३४- भस्मक व्याधि रोग किन आचार्य को हुआ था?
(१) आ. पद्मनन्दी जी (२) आ.भद्रबाहु जी
(३) आ. समन्तभद्र स्वामी जी (❋) (४) आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी
प्रश्न ३५- गन्धहस्ति महाभाष्य किसकी रचना है?
(१) आ. पद्मनन्दी जी (२) आ.समन्तभद्र स्वामी जी (❋)
(३) आ. भद्रबाहु जी (४) आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी
प्रश्न ३६- मूलाचार ग्रन्थ किस आचार्य ने लिखा है?
(१) आ. धरसेन जी (२) आ.यतिवृषभ जी
(३) आ. वट्टकेर जी (❋) (४) आ. भूतबली जी
प्रश्न ३७- मान्यखेट में किन आचार्य का जन्म हुआ?
(१) आ. धरसेन जी (२) आ.यतिवृषभ जी
(३) आ. वट्टकेर जी (४) आ. अकलंकदेव जी (❋)
प्रश्न ३८- द्विसन्धान महाकाव्य किसने लिखा?
(१) पं. बनारसीदास (२) पं. आशाधर जी
(३) पं. भूधरदास जी (४) कवि धनञ्जय जी (❋)
प्रश्न ३९- यतिवृषभ आचार्य ने कौन सा ग्रन्थ लिखा?
(१) प्रवचन सार (२) तिलोयपण्णत्ती (❋)
(३) षट्खण्डागम (४) तत्त्वानुशासन

प्रश्न ४०-: नारकियों के कौन सी विक्रिया होती है?
(१) आयुध विक्रिया (२) पृथक् विक्रिया
(३) एकत्व विक्रिया (४) अपृथक् विक्रिया (❋)
प्रश्न ४१-: देवों के कौन सी विक्रिया होती है?
(१) आयुध विक्रिया (२) पृथक् विक्रिया (❋)
(३) एकत्व विक्रिया (४) अपृथक् विक्रिया
प्रश्न ४२-: भवनवासी देवों के कितने भेद हैं?
(१) ८ (२) ७
(३) १० (❋) (४) ९
प्रश्न ४३-: जिनकी अहिंसादि अनुष्ठानों में रुचि है, वे कहलाते हैं?
(१) असुरकुमार देव (२) भवनवासी देव
(३) व्यन्तरदेव (४) सुर देव (❋)
प्रश्न ४४-: भवनत्रिक देव अधो लोक में कितने नीचे तक जा सकते हैं?
(१) पहली पृथ्वी तक (२) दूसरी पृथ्वी तक
(३) तीसरी पृथ्वी तक (❋) (४) पाँचवी पृथ्वी तक
प्रश्न ४५-: जो तीर्थंकर के विहार मार्ग को शुद्ध करते हैं , वे कौन से देव हैं?
(१) स्तनित देव (२) वातकुमार देव (❋)
(३) दिक्कुमार देव (४) उदधिकुमार देव
प्रश्न ४६-: विदेह क्षेत्र में कितने दिन तक वर्षा होती है?
(१) १४४ दिन तक (२) १५५ दिन तक
(३) १२२ दिन तक (४) १३३ दिन तक (❋)
प्रश्न ४७-: जो चारों ओर काँटों की बाड़ से वेष्टित हो, उसे कहते हैं।
(१) नगर (२) द्रोण
(३) मटंब (४) ग्राम (❋)
प्रश्न ४८-:कहाँ पर सरागी देवों के देवालय नहीं हैं?
(१) भरत क्षेत्र में (२) विदेह क्षेत्र में (❋)
(३) ऐरावत क्षेत्र में (४) जम्बूद्वीप में
प्रश्न ४९-: विद्याधरों के पास कितनी तरह की विद्यायें होती हैं?
(१) ४ तरह की (२) २ तरह की
(३) ३ तरह की(❋) (४) ६ तरह की
प्रश्न ५०-: लवण समुद्र के नीचे पातालों में क्या है?
(१) वायु (२) जल
(३) मिट्टी (४) वायु और जल (❋)
प्रश्न ५१-: जम्बू द्वीप में कुल कितने पर्वत हैं?
(१) ३२२ (२) ३११ (❋)
(३) ३०१ (४) ३३३
प्रश्न ५२-: प्रथम कल्की की संतान कैसी थी?
(१) अधर्मज्ञ (२) अहिंसक
(३) हिंसक (४) धर्मज्ञ (❋)

प्रश्न ५३- द्रोण किसे कहते हैं?

(१) जो सागर से वेष्टित हों (२) जो जल से वेष्टित हों

(३) जो वायु से वेष्टित हों (४) जो नदी से वेष्टित हों (❋)

प्रश्न ५४- मण्डलीक, अर्द्धमण्डलीक, महामण्डलीक कितने राजाओं के स्वामी होते हैं?

(१) २०००, ६०००, ८००० (२) ९०००, २०००, ८०००

(३) ३०००, १०००, ८००० (४) ४०००, २०००, ८००० (❋)

प्रश्न ५५- मध्य लोक में कितने अकृत्रिम चैत्यालय होते हैं?

(१) ४५५ (२) ४५८ (❋)

(३) ४५६ (४) ४५७

प्रश्न ५६- इज्या किसे कहते हैं?

(१) पूज्य पुरुषों का सम्मान (२) पूज्य पुरुषों का पूजना (❋)

(३) पूज्य पुरुषों का स्तुति (४) पूज्य पुरुषों का संस्तवन

प्रश्न ५७- दत्ति क्या है?

(१) करुणा दान देना (२) सम्मान देना

(३) स्वपरोपकारार्थ दान देना (❋) (४) ध्यान देना

प्रश्न ५८- श्रावकों को प्रतिदिन करने योग्य कार्य क्या हैं?

(१) व्यापार करना (२) देवदर्शन करना

(३) पूजन करना (४) षट् आवश्यक करना (❋)

प्रश्न ५९- देवपूजा किसे कहते हैं?

(१) जिनेन्द्र देव के गुणों का गुणानुवाद (❋) (२) जिनेन्द्र देव के गुणों की स्तुति

(३) जिनेन्द्र देव के गुणों की भक्ति (४) जिनेन्द्र देव के गुणों का स्तवन

प्रश्न ६०- पंचेन्द्रिय के विषय कितने हैं?

(१) २५ (२) २६

(३) २७ (❋) (४) २८

प्रश्न ६१- स्वाध्याय के पहले कौन सी भक्ति करते हैं?

(१) सिद्ध और श्रुत भक्ति (❋) (२) आचार्य और श्रुत भक्ति

(३) आचार्य और सिद्ध भक्ति (४) जिनवाणी स्तुति

प्रश्न ६२- संयम के भेद हैं।

(१) ४ (२) ६

(३) ८ (४) २ (❋)

प्रश्न ६३- गृहकार्य से संचित पाप कर्म को कौन दूर करता है?

(१) औषध दान (२) आहार दान (❋)

(३) उपकरण दान (४) आवास दान

प्रश्न ६४- सांसारिक भोगों की आकांक्षा करना, ये किसका अतिचार है?

(१) दान (२) देवपूजा

(३) तप (❋) (४) स्वाध्याय

प्रश्न ६५- प्राणि संयम कहते हैं।

(१) त्रस जीवों का घात नहीं करना (२) स्थावर जीवों का घात नहीं करना

(३) दो इन्द्रिय जीवों का घात नहीं करना (४) संकल्पपूर्वक त्रस-स्थावरजीवों का घात न करना (❋)

प्रश्न ६६- कितने तीर्थंकरों के चिन्ह एकेन्द्रिय हैं?
(१) चार (❋) (२) तीन
(३) दो (४) पाँच
प्रश्न ६७- नारी शिक्षा के प्रथम उद्घोषक कौन थे?
(१) भगवान अजितनाथ जी (२) भगवान अभिनंदन नाथ जी
(३) भगवान शंभवनाथ जी (४) भगवान आदिनाथ जी (❋)
प्रश्न ६८- भगवान पार्श्वनाथ कौन से स्वर्ग से आये थे?
(१) आनत (२) प्राणत (❋)
(३) आरण (४) अच्युत
प्रश्न ६९- भगवान पार्श्वनाथ के मुख्य गणधर थे।
(१) स्वयंप्रभ (२) स्वयंभू (❋)
(३) स्वयंसेन (४) स्वयंनंदि
प्रश्न ७०- भगवान पार्श्वनाथ का अपर नाम क्या था?
(१) सुसोम (२) सुशान्त
(३) सुजीव (४) सुभौम (❋)
प्रश्न ७१- भगवान महावीर ने तीर्थंकर प्रकृति का बंध कब किया था?
(१) देवराजा की पर्याय में (२) वज्र राजा की पर्याय में
(३) नंदराजा की पर्याय में (❋) (४) नंदिराजा की पर्याय में
प्रश्न ७२- भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण के बाद कितने वर्षों बाद भगवान महावीर का जन्म हुआ?
(१) १७६ वर्ष बाद (२) १७७ वर्ष बाद
(३) १७८ वर्ष बाद (❋) (४) १७९ वर्ष बाद
प्रश्न ७३- भगवान महावीर पर किसने उपसर्ग किया था?
(१) जितशत्रु रुद्र ने (२) अजितशत्रु रुद्र ने
(३) अचल रुद्र ने (४) महादेव रुद्र ने (❋)
प्रश्न ७४- आचार्य श्री शांतिसागर की समाधि कब और कहाँ हुई?
(१) भाद्र शुक्ला द्वितीया कुंथलगिरि में (❋) (२) भाद्र शुक्ला तेरस श्रवणबेलगोला में
(३) भाद्र शुक्ला ग्यारस वेल्लूर में (४) भाद्र शुक्ला चौदस कुंभोज में
प्रश्न ७५- आचार्य श्री ज्ञानसागर जी ने आचार्य पद कब छोड़ा?
(१) २२ नवम्बर १९७३ को (२) २५ नवम्बर १९७५ को
(३) २१ नवम्बर १९७४ को (४) २२ नवम्बर १९७२ को (❋)
प्रश्न ७६- आचार्य ज्ञानसागर जी द्वारा लिखित महाकाव्य कौन सा है?
(१) सुद्रर्शनोदय (२) भद्रोदय
(३) भाग्योदय (४) वीरोदय (❋)
प्रश्न ७७- किसने आचार्य श्री विद्यासागर जी से सर्वप्रथम चारित्र शुद्धि व्रत के १२३४ उपवास लिए?
(१) मुनि श्री मल्लिसागर जी (❋) (२) मुनि श्री चंद्रप्रभसागर जी
(३) मुनि श्री विनीतसागर जी (४) मुनि श्री योगसागर जी
प्रश्न ७८- आचार्य श्री विद्यासागर जी ने कौन से परमेष्ठी से दीक्षा ली?
(१) आचार्य परमेष्ठी (२) सिद्ध परमेष्ठी
(३) उपाध्याय परमेष्ठी (४) साधु परमेष्ठी (❋)

प्रश्न ७९-: अढ़ाई द्वीप में कितने आर्यखण्ड हैं?
(१) १६० (२) १७० (❋)
(३) १५० (४) १८०
प्रश्न ८०-: जम्बूद्वीप का आकार कैसा है?
(१) चूड़ी के आकार का (२) वलय के आकार का
(३) दीर्घ वलय के आकार का (४) थाली के आकार का (❋)
प्रश्न ८१-: अढाई द्वीप में कितने सूर्य और चंद्रमा हैं?
(१) १८ (२) ८४
(३) १८४ (४) १३२ (❋)
प्रश्न ८२-: एक चन्द्रमा जम्बूद्वीप की पूर्ण प्रदक्षिणा कितने दिन में करता है?
(१) १ दिन में (२) २ दिन में
(३) १ दिन से अधिक समय में (४) २ दिन से अधिक समय में (❋)
प्रश्न ८३-: नरकों में कितने प्रकार के दुख हैं?
(१) पाँच प्रकार के (२) नौ प्रकार के
(३) सात प्रकार के (❋) (४) आठ प्रकार के
प्रश्न ८४-: प्रथम नरक में जीव लगातार कितनी बार जा सकता है?
(१) आठ बार (❋) (२) नौ बार
(३) सात बार (४) छह बार
प्रश्न ८५-: भोगभूमिज सिंह कैसे होते हैं?
(१) मांसाहारी (२) शाकाहारी (❋)
(३) मांसाहारी शाकाहारी दोनों (४) सर्वोपहारी
प्रश्न ८६-: भोगभूमि तिर्यञ्चों के कितने गुणस्थान होते हैं?
(१) पाँच गुणस्थान (२) दो गुणस्थान
(३) तीन गुणस्थान (४) चार गुणस्थान (❋)
प्रश्न ८७-मुक्ति कहाँ से होती है?
(१) जम्बूद्वीप से (२) विदेह क्षेत्र से
(३) भरत क्षेत्र से (४) अढाई द्वीप से (❋)
प्रश्न ८८-: धर्म का प्रारंभ किस सम्यग्दर्शन से होता है?
(१) क्षायिक सम्यग्दर्शन से (२) क्षायोपशमिक सम्यग्दर्शन से
(३) प्रथमोपशम सम्यग्दर्शन से (❋) (४) द्वितीयोपशम सम्यग्दर्शन से
प्रश्न ८९-बाहुबलि को बलवान शरीर की प्राप्ति कैसे हुई?
(१) आहार दान से (२) औषध दान से (❋)
(३) आवास दान से (४) उपकरण दान से
प्रश्न ९०-: विद्या किसको देती है?
(१) मोक्ष को (२) यश को
(३) सम्मान को (४) विनय को (❋)
प्रश्न ९१-: दो प्रतिमाधारी जिनशासन की महती प्रभावना कर सकता है, ये किसने कहा?
(१) आ.वीरसागर जी ने (२) आ. शान्तिसागर जी ने
(३) आ. विद्यासागर जी ने (❋) (४) आ. ज्ञानसागर जी ने

प्रश्न ९२- जैन धर्म के अनुसार पानी की एक बूँद में कितने जीव हैं।
(१) ३६४५० जीव (२) संख्यात
(३) असंख्यात (❋) (४) अनन्त
प्रश्न ९३- नो कषाय कौन सी हैं?
(१) क्रोध, मान (२) अप्रत्याख्यान
(३) माया, लोभ (४) भय, हास्य (❋)
प्रश्न ९४- प्रथमोपशम सम्यग्दर्शन से कौन सा सम्यग्दर्शन उत्पन्न होता है?
(१) द्वितीयोपशम सम्यग्दर्शन (२) क्षायोपशमिक सम्यग्दर्शन (❋)
(३) क्षायिक सम्यग्दर्शन (४) सभी
प्रश्न ९५- द्वितीयोपशम सम्यग्दर्शन से कौन सा सम्यग्दर्शन उत्पन्न होता है?
(१) प्रथमोपशम सम्यग्दर्शन (२) क्षायोपशमिक सम्यग्दर्शन (❋)
(३) क्षायिक सम्यग्दर्शन (४) सभी
प्रश्न ९६- क्षयोपशम सम्यग्दर्शन से कौन सा सम्यग्दर्शन उत्पन्न होता है?
(१) प्रथमोपशम सम्यग्दर्शन (२) क्षायोपशमिक सम्यग्दर्शन
(३) क्षायिक सम्यग्दर्शन (❋) (४) सभी
प्रश्न ९७- पूजा को वैयावृत्ति में किस आचार्य ने रखा है?
(१) आ. पद्मनन्दी जी (२) आ.भद्रबाहु जी
(३) आ. समन्तभद्र स्वामी जी (❋) (४) आ. कुन्दकुन्द स्वामी जी
प्रश्न ९८- पूजा को अतिथि संविभाग व्रत में किस आचार्य ने रखा है?
(१) आ. रविषेण जी (❋) (२) आ.सोमसेन जी
(३) आ. अकलंकदेव जी (४) आ. यतिवृषभ जी
प्रश्न ९९- चरणानुयोग का ग्रन्थ है।
(१) हरिवंश पुराण जी (२) रत्नकरण्डक श्रावकाचार जी (❋)
(३) षट्खण्डागम जी (४) समयसार जी
प्रश्न १००- जिसने अभी तक सम्यग्दर्शन प्राप्त नहीं किया, उसे क्या कहते हैं?
(१) अनादि अनन्त मिथ्यादृष्टि (२) सादि मिथ्यादृष्टि
(३) सादि सान्त मिथ्यादृष्टि (४) अनादि मिथ्यादृष्टि (❋)
प्रश्न १०१- प्रशम, संवेग, अनुकम्पा, आस्तिक्य क्या हैं?
(१) सम्यग्दर्शन के भेद (२) सम्यग्दर्शन के गुण
(३) सम्यग्दर्शन के लक्षण (❋) (४) सम्यग्दर्शन के अंग
प्रश्न १०२- क्षायिक सम्यग्दर्शन कौन प्राप्त कर सकता हैं?
(१) भोगभूमि का मनुष्य (२) कर्मभूमि का मनुष्य (❋)
(३) सादि सान्त मिथ्यादृष्टि (४) अनादि मिथ्यादृष्टि
प्रश्न १०३- सराग सम्यग्दर्शन कौन सा है?
(१) क्षयोपशम सम्यग्दर्शन (❋) (२) उपशम सम्यग्दर्शन
(३) प्रथमोपशम सम्यदर्शन (४) क्षायिक सम्यग्दर्शन
प्रश्न १०४- सम्यग्दर्शन के गुण कौन से हैं?
(१) शंका, कांक्षा, विचिकत्सा (२) प्रशम, अनुकम्पा, आस्तिक्य
(३) लोकमूढ़ता, देवमूढ़ता, गुरु मूढ़ता (४) संवेग, निर्वेग, निंदा (❋)

प्रश्न १०५-: श्रद्धा, आस्था, रुचि, प्रतीति किसके पर्यायवाची नाम हैं?
(१) सम्यक्चारित्र (२) सग्यग्दर्शन (❋)
(३) सम्यग्ज्ञान (४) सभी के

प्रश्न १०६-: हितोपदेशी कौन से परमेष्ठी हैं?
(१) अरिहंत (❋) (२) सिद्ध
(३) आचार्य (४) उपाध्याय

प्रश्न १०७-: केवली कौन सा आहार करते हैं?
(१) कवलाहार (२) दुग्धाहार
(३) कर्माहार (४) नोकर्माहार (❋)

प्रश्न १०८-: किस गति के जीव धर्मोपदेश सुनते हैं?
(१) मनुष्य गति (२) नरक गति
(३) देव गति (४) सभी (❋)

प्रश्न १०९-स्वाध्याय से क्या लाभ हैं?
(१) असंख्यात गुणी कर्म निर्जरा (२) ज्ञान की वृद्धि
(३) स्मरण शक्ति की वृद्धि (४) सभी (❋)

प्रश्न ११०-: श्रावक के विकासशील चारित्र को क्या कहते हैं?
(१) अणुव्रत (२) प्रतिमा (❋)
(३) स्वाध्याय (४) रत्नत्रय

प्रश्न १११-: अहिंसाणुव्रत का अतिचार है।
(१) न्यासापहार (२) हीनाधिक मानोन्मान
(३) साकार मंत्रभेद (४) अतिभारारोपण (❋)

प्रश्न ११२-: परिग्रह परिमाण अणुव्रत में कौन प्रसिद्ध हुआ?
(१) यमपाल चण्डाल (२) नीली
(३) जयकुमार राजा (❋) (४) धनदेव सेठ

प्रश्न ११३-: अनर्थदण्ड का भेद कौन सा है?
(१) प्रमादचर्या (❋) (२) प्रेष्यप्रयोग
(३) सुध्यान (४) अहिंसोपदेश

प्रश्न ११४-: आरंभ किसे कहते हैं?
(१) जिससे त्रस जीवों की हिंसा हो (२) जिससे स्थावर जीवों की हिंसा हो
(३) जिससे षट्काय जीवों की हिंसा हो(❋) (४) जिससे पंच इन्द्रिय जीवों की हिंसा हो

प्रश्न ११५-: अच्छे प्रकार से काय और कषाय का लेखन करना है।
(१) समाधि (२) देह विसर्जन
(३) स्वाध्याय (४) सल्लेखना (❋)

प्रश्न ११६-: सन्यास मरण के भेद नहीं हैं।
(१) भक्त प्रत्याख्यान (२) प्रायोपगमन
(३) इंगिनी मरण (४) पर व्यपदेश (❋)

प्रश्न ११७-: मरण कितने प्रकार के होते हैं?
(१) चार (२) पाँच (❋)
(३) तीन (४) छह

प्रश्न ११८- जो गुण पर्याय वाला होता है उसे क्या कहते हैं?
(१) पदार्थ (२) तत्त्व
(३) द्रव्य (❋) (४) जीव
प्रश्न ११९- वर्तमान विज्ञान द्रव्य को किस रूप में मानता है?
(१) भौतिकी का सिद्धान्त (२) संयोग का सिद्धान्त
(३) एकीकरण का सिद्धान्त (४) अविनाशता का सिद्धान्त (❋)
प्रश्न १२०- विज्ञान ने धर्मद्रव्य को किस रूप में स्वीकार किया है?
(१) मैटर (२) ईथर (❋)
(३) टीथर (४) प्रीचर
प्रश्न १२१- काल की सबसे छोटी ईकाई क्या है?
(१) मिनिट (२) सेकेण्ड
(३) समय (❋) (४) घड़ी
प्रश्न १२२- धर्म द्रव्य कितने प्रदेशी है?
(१) संख्यात प्रदेशी (२) असंख्यात प्रदेशी (❋)
(३) एक प्रदेशी (४) अनंत प्रदेशी
प्रश्न १२३- काल द्रव्य कितने प्रदेशी है?
(१) संख्यात प्रदेशी (२) असंख्यात प्रदेशी
(३) एक प्रदेशी (❋) (४) अनंत प्रदेशी
प्रश्न १२४- पुद्गल द्रव्य की पर्यायें कौन सी नहीं है?
(१) शब्द (२) तम
(३) छाया (४) बादर(❋)
प्रश्न १२५- एक परमाणु आकाश का जितना स्थान घेरता है उसे कहते हैं।
(१) समय (२) द्रव्य
(३) काल (४) प्रदेश (❋)
प्रश्न १२६- उपशम श्रेणी में कितने गुणस्थान होते हैं?
(१) ४,५,६,७ (२) ७,८,८,१०
(३) ८,९,१०,१२ (४) ८,९,१०,११(❋)
प्रश्न १२७- क्षपक श्रेणी में कितने गुणस्थान होते हैं?
(१) ४,५,६,७ (२) ७,८,८,१०
(३) ८,९,१०,१२ (❋) (४) ८,९,१०,११
प्रश्न १२८- नरक गति, देव गति में क्रमशः कितने गुणस्थान होते हैं?
(१) १से ३ तक, १ से ४ तक (२) १से ४ तक, १ से ४ तक (❋)
(३) १से ५ तक, १ से ५ तक (४) १से ३ तक, १ से ५ तक
प्रश्न १२९- अनादि मिथ्यादृष्टि जीव प्रथम गुणस्थान से किन-किन गुणस्थानों में जाता है?
(१) ३,४,५,६ में (२) ४,५,७ में (❋)
(३) ४,५,६ में (४) ३,४,५ में
प्रश्न १३०- सादि मिथ्यादृष्टि जीव प्रथम गुणस्थान से किन-किन गुणस्थानों में जाता है?
(१) ३,४,५,६ में (२) ४,५,७,८ में
(३) २,४,५,६ में (४) ३,४,५,७ में (❋)

प्रश्न १३१-: सूक्ष्म साम्पराय गुणस्थान का काल जघन्य और उत्कृष्ट काल कितना है?
(१) अन्तर्मुहूर्त, अन्तर्मुहूर्त, (२) एक समय, अन्तर्मुहूर्त (❋)
(३) अन्तर्मुहूर्त, अनादि अनंत (४) अन्तर्मुहूर्त, ६ आवली
प्रश्न १३२-: चतुर्थ गुणस्थान में कितने जीव हैं?
(१) पल्य के संख्यातवें भाग प्रमाण (२) पल्य के अनन्त भाग प्रमाण
(३) पल्य के अनन्तानन्त भाग प्रमाण (४) पल्य के असंख्यातवें भाग प्रमाण (❋)
प्रश्न १३३-: मनुष्य गति के तेरहवें गुणस्थान में उत्कृष्ट से कितने जीव हो सकते हैं?
(१) ५,९३,९८८ (२) ४,५७,८०५
(३) ८,९८,५०२ (❋) (४) ४,९६,१०३
प्रश्न १३४-: मरण किन-किन गुणस्थान में नहीं होता?
(१) सम्यग्मिथ्यात्व गुणस्थान में (❋) (२) मिथ्यात्व गुणस्थान में
(३) सासादन गुणस्थान में (४) अविरत सम्यग्दृष्टि गुणस्थान में
प्रश्न १३५-: मार्गणा शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं।
(१) ईषणा (२) एषणा
(३) गवेषणा (❋) (४) प्रेक्षणा
प्रश्न १३६-:काय मार्गणा के कितने भेद हैं?
(१) ४ (२) ५
(३) ८ (४) ६ (❋)
प्रश्न १३७-: आचार्य श्री विद्यासागर जी किस वचन योग में बात करते हैं?
(१) सत्य वचन योग (२) असत्य वचन योग
(३) उभय वचन योग (४) अनुभय वचन योग (❋)
प्रश्न १३८-: परिहार विशुद्धि संयम कितने गुणस्थान तक होता है?
(१) ६ से ९ गुणस्थान तक (२) ६ से ७ गुणस्थान तक (❋)
(३) ६ से ८ गुणस्थान तक (४) ६ से १० गुणस्थान तक
प्रश्न १३९-: शुक्ल लेश्या किस गुणस्थान तक होती है?
(१) १ से ९ गुणस्थान तक (२) १ से १२ गुणस्थान तक
(३) १ से १३ गुणस्थान तक (❋) (४) १ से १० गुणस्थान तक
प्रश्न १४०-: संज्ञी मार्गणा कितने गुणस्थान तक होती है?
(१) १ से ९ गुणस्थान तक (२) १ से १२ गुणस्थान तक (❋)
(३) १ से १३ गुणस्थान तक (४) १ से १० गुणस्थान तक
प्रश्न १४१-: केवली भगवान संज्ञी हैं या असंज्ञी?
(१) संज्ञी (२) असंज्ञी
(३) दोनों से सहित (४) दोनों से रहित (❋)
प्रश्न १४२-: केवली समुद्घात में कितना समय लगता है?
(१) ८ समय (❋) (२) ६ समय
(३) ४ समय (४) अन्तर्मुहूर्त
प्रश्न १४३-: नरक गति में समुद्घात होते हैं?
(१) वेदना, कषाय, केवली, मारणान्तिक (२) वेदना, कषाय, विक्रिया, मारणान्तिक (❋)
(३) वेदना, तैजस, विक्रिया, मारणान्तिक (४) वेदना, कषाय, विक्रिया, आहारक

प्रश्न १४४- मिथ्यादृष्टियों के ध्यान को क्या कहते हैं?
(१) धर्म ध्यान (२) रौद्र ध्यान
(३) आर्त्त ध्यान (४) शुभ भावना (❋)
प्रश्न १४५- पंचेन्द्रिय में कितने ध्यान होते हैं?
(१) आर्त्त ध्यान (२) रौद्र ध्यान
(३) धर्म ध्यान (४) सभी ध्यान (❋)
प्रश्न १४६- जो नय अपनी जाति का विरोध नहीं करके एकपने से समस्त पदार्थों को ग्रहण करता है, उसे कहते हैं।
(१) नैगम नय (२) संग्रह नय (❋)
(३) व्यवहार नय (४) ऋजुसूत्र नय
प्रश्न १४७- सामान्य को विषय बनाने वाला नय है।
(१) पर्यायार्थिक नय (२) एवंभूत नय
(३) समभिरूढ़ नय (४) द्रव्यार्थिक नय (❋)
प्रश्न १४८- विशेष को विषय बनाने वाला नय है।
(१) पर्यायार्थिक नय (❋) (२) एवंभूत नय
(३) समभिरूढ़ नय (४) द्रव्यार्थिक नय
प्रश्न १४९- अध्यात्म पद्धति से नयों के मूल भेद कितने हैं?
(१) सात (२) दो (❋)
(३) तीन (४) पाँच
प्रश्न १५०-जो नय कर्म जनित विकार से रहित गुण और गुणी को अभेद रूप से ग्रहण करता है, वह है
(१) निश्चय नय (२) अशुद्ध निश्नय नय
(३) शुभ निश्नय नय (४) शुद्ध निश्नय नय (❋)
प्रश्न १५१- करुणा किसे कहते है?
(१) आत्मा के शुभ भावों को (२) गरीबों को दान देना
(३) सभी प्राणी सुखी रहें, इस भाव को (❋) (४) आत्मा के करुण भावों को
प्रश्न १५२-विज्ञानता किसे कहते हैं?
(१) मति ज्ञान (२) श्रुत ज्ञान
(३) मनःपर्यय ज्ञान (४) विशिष्ट ज्ञान (❋)
प्रश्न १५३- अधोलोक में कौन रहता है?
(१) नारकी (२) भवनवासी
(३) व्यन्तर (४) सभी(❋)
प्रश्न १५४-जिसका आदि अर्थात् प्रारंभ न हो, उसे कहते हैं।
(१) आदि (२) अनन्त
(३) अनादि (❋) (४) अनादि अनन्त
प्रश्न १५५-निगोदिया जीव कहाँ रहते हैं?
(१) नरक (२) इतर निगोद
(३) नित्य निगोद (४) सर्व लोक में (❋)
प्रश्न १५६-जीव निगोद से निकलकर कहाँ उत्पन्न होता है?
(१) द्वि इन्द्रिय में (२) एक इन्द्रिय में (❋)
(३) तीन इन्द्रिय में (४) सभी में

प्रश्न १५७-रत्नत्रय की प्राप्ति की योग्यता युक्त जीव को कहते हैं।
(१) निकट भव्य (२) भव्य (❋)
(३) दूर भव्य (४) दूरानुदूर भव्य
प्रश्न १५८-़ श्वभ्र किसका पर्यायवाची नाम है?
(१) स्वर्ग का (२) निगोद का
(३) मोक्ष का (४) नरक का (❋)
प्रश्न १५९-़इच्छित पदार्थ देने वाला है।
(१) अरिहंत (२) धर्म
(३) रत्न (४) चिंतामणि (❋)
प्रश्न १६०-़नरक गति में जाने के क्या कारण हैं?
(१) अत्यंत संक्लेश भावों से (२) बहुत आरम्भ करने से
(३) बहुत परिग्रह करने से (४) उपरोक्त सभी (❋)
प्रश्न १६१-कोड़ाकोड़ी किसे कहते हैं?
(१) १करोड़ को १करोड़ से गुणा करने पर (❋) (२) १करोड़ को १०करोड़ से गुणा करने पर
(३) १करोड़ को ११ करोड़ से गुणा करने पर (४) १करोड़ को १०० करोड़ से गुणा करने पर
प्रश्न १६२-नरकों के दुख कम से कम कितने समय तक भोगने पड़ते हैं?
(१) २२ सागर तक (२) ३३ सागर तक
(३) २० हजार वर्ष तक (४) १० हजार वर्ष तक (❋)
प्रश्न १६३-नरकों के दुख अधिक से अधिक तक कितने समय तक भोगने पड़ते हैं?
(१) २२ सागर तक (२) ३३ सागर तक (❋)
(३) २० हजार वर्ष तक (४) १० हजार वर्ष तक
प्रश्न १६४-़कौन से देव एक इन्द्रिय में उत्पन्न होते हैं?
(१) भवनवासी (२) व्यन्तर
(३) ज्योतिषी (४) उपरोक्त सभी (❋)
प्रश्न १६५-़सामान्य त्रसकाय का उत्कृष्ट काल कितना है?
(१) १ पूर्व कोटि अधिक दो हजार सागर (❋) (२) २००० हजार सागर
(३) १ पूर्व कोटि अधिक तीन हजार सागर (४) ३३ हजार सागर
प्रश्न १६६-़जिनेन्द्र देव द्वारा प्रतिपादित सात तत्त्वों के विपरीत श्रद्धान को कहते हैं।
(१) मिथ्यादर्शन (२) गृहीत मिथ्यादर्शन
(३) अगृहीत मिथ्यादर्शन (❋) (४) उपरोक्त सभी
प्रश्न १६७-चेतना की परिणति विशेष को कहते हैं।
(१) योग (२) उपयोग (❋)
(३) चैतन्य (४) प्रयोग
प्रश्न १६८-़शरीर की उत्पत्ति को उपनी उत्पत्ति और शरीर के विनाश का अपना विनाश मानना है।
(१) जीव तत्त्व का विपरीत श्रद्धान (२) आस्रव तत्त्व का विपरीत श्रद्धान
(३) अजीव तत्त्व का विपरीत श्रद्धान (❋) (४) बंध तत्त्व का विपरीत श्रद्धान
प्रश्न १६९-व्रत, नियम, संयम आदि को अपने लिए दुखदायी मानना है।
(१) निर्जरा तत्त्व का विपरीत श्रद्धान (२) मोक्ष तत्त्व का विपरीत श्रद्धान
(३) संवर तत्त्व का विपरीत श्रद्धान (❋) (४) बंध तत्त्व का विपरीत श्रद्धान

प्रश्न १७०-जो बाहरी कारण बिना संस्कार वश स्वयं होता है, वह है।

(१) मिथ्यात्व (२) अगृहीत मिथ्यात्व (❋)

(३) गृहीत मिथ्यात्व (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न १७१-पत्थर की नाव किसे कहा गया है?

(१) कुदेव (२) कुशास्त्र

(३) कुधर्म (४) कुगुरु (❋)

प्रश्न १७२-भाव हिंसा होती है?

(१) राग-द्वेष आदि विकारी भावों से (❋) (२) त्रस जीवों के घात से

(३) स्थावर जीवों के घात से (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न १७३-भिन्न भिन्न धर्मों की अपेक्षा से एक वस्तु का विरोध रहित अनेक धर्मात्मक कथन करने वाला सिद्धान्त है।

(१) एकान्तवाद (२) अनेकान्तवाद (❋)

(३) स्याद्वाद (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न १७४-ज्ञानहीन क्रिया को कहते हैं।

(१) मिथ्यादर्शन (२) मिथ्याज्ञान

(३) मिथ्याचारित्र (❋) (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न १७५-आत्मोद्धार में बाधक कारण क्या है?

(१) मिथ्यादर्शन (२) मिथ्याज्ञान

(३) मिथ्याचारित्र (४) विपरीत श्रद्धान (❋)

प्रश्न १७६-आत्मा को दुख कौन देता है?

(१) राग, द्वेष (२) मोह, लोभ

(३) पर पदार्थों के प्रति होने वाली आसक्ति (❋)(४) आसक्ति

प्रश्न १७७-जिसके सम्पन्न होने पर उत्तर काल में मोक्ष प्राप्त हो ही जाता है, वह है।

(१) व्यवहार मोक्षमार्ग (२) निश्चय मोक्षमार्ग (❋)

(३) शुद्ध निश्चय मोक्षमार्ग (४) अशुद्ध निश्चय मोक्षमार्ग

प्रश्न १७८-व्यवहार सम्यक्त्व क्या है?

(१) हिंसा रहित धर्म (२) क्षुधादि १८ दोष रहित देव

(३) निर्ग्रन्थ गुरु पर श्रद्धा (४) उपरोक्त सभी (❋)

प्रश्न १७९-जो आत्मा कर्ममल से रहित है, वह है।

(१) बहिरात्मा (२) अन्तरात्मा

(३) परमात्मा (❋) (४) मध्यम अन्तरात्मा

प्रश्न १८०-जो कर्म आत्मा के गुणों को प्रकट न होने दें, उन्हें कहते हैं।

(१) अघातिया कर्म (२) घातिया कर्म (❋)

(३) नो कर्म (४) भाव कर्म

प्रश्न १८१-व्यवहार काल किसे कहते हैं?

(१) परिणाम (२) क्रिया

(३) परत्व (४) उपरोक्त सभी (❋)

प्रश्न १८२-काल द्रव्य कितने हैं?

(१) संख्यात (२) असंख्यात (❋)

(३) एक (४) अनन्त

प्रश्न १८३-धार्मिक कार्यों में अनुत्साह रखना क्या है?
(१) अविरति (२) प्रमाद (❋)
(३) असंयम (४) अश्रद्धान
प्रश्न १८४-जीव के प्रदेश कितने हैं?
(१) अनन्त (२) संख्यात
(३) असंख्यात (❋) (४) अनन्तानन्त
प्रश्न १८५-नरक और तिर्यंच गति में कौन से जीव उत्पन्न होते हैं?
(१) क्षायिक सम्यग्दृष्टि (❋) (२) क्षायोपशमिक सम्यग्दृष्टि
(३) उपशम सम्यदृष्टि (४) उपरोक्त सभी
प्रश्न १८६-पत्थरों के ढेर लगाना, गंगा में स्नान करना आदि किसके उदाहरण हैं?
(१) देव मूढ़ता (२) गुरु मूढ़ता
(३) धर्म मूढ़ता (४) लोक मूढ़ता (❋)
प्रश्न १८७-अवधिज्ञान और मनःपर्यय ज्ञान कैसे हैं?
(१) परोक्ष (२) सकल प्रत्यक्ष
(३) देश प्रत्यक्ष (❋) (४) प्रत्यक्ष
प्रश्न १८८-परोक्ष ज्ञान किसे कहते हैं?
(१) जो इन्द्रिय और मन की सहायता से हो (❋)(२) जो इन्द्रिय और मन की सहायता से न हो
(३) जो सिर्फ मन से हो (४) जो सिर्फ इन्द्रियों से हो
प्रश्न १८८-आत्म कल्याण में कौन सा ज्ञान विशेष सहायक है?
(१) केवलज्ञान (२) मतिज्ञान
(३) मनःपर्यय ज्ञान (४) श्रुतज्ञान (❋)
प्रश्न १८९-जो किसी द्रव्य को अन्य द्रव्य से अलग करता हो, उसे कहते हैं।
(१) पर्याय (२) गुण (❋)
(३) द्रव्य (४) लक्षण
प्रश्न १९०-द्रव्य किसे कहते हैं?
(१) सत् लक्षण वाला हो (२) उत्पाद, व्यय, ध्रौव्य से युक्त हो
(३) गुण और पर्याय से युक्त हो (४) उपरोक्त सभी (❋)
प्रश्न १९१-गुणों की प्रतिसमय होने वाली अवस्था विशेष को कहते हैं।
(१) पर्याय (❋) (२) गुण
(३) द्रव्य (४) लक्षण
प्रश्न १९२-सम्यग्ज्ञान के कितने दोष हैं?
(१) चार (२) दो
(३) आठ (४) तीन (❋)
प्रश्न १९३-जो अशुभ गतियों और अशुभ प्रवृत्तियों से जीव की रक्षा करे, उसे कहते हैं।
(१) धर्म (२) सम्यक् चारित्र
(३) पुण्य (❋) (४) पाप
प्रश्न १९४-अहिंसाणुव्रती किस हिंसा का त्यागी होता है?
(१) आरम्भी हिंसा (२) उद्योगी हिंसा
(३) विरोधी हिंसा (४) संकल्पी हिंसा (❋)

प्रश्न १९५-दशों दिशाओं के क्षेत्र की सीमा जीवन पर्यन्त के लिए की जाती है।
(१) गुणव्रत में (२) दिग्व्रत में (❋)
(३) देशव्रत में (४) अणुव्रत में

प्रश्न १९६-जो वस्तुएँ बार-बार भोगने में आती हैं, उन्हें कहते हैं।
(१) भोग (२) भोगोपभोग
(३) उपभोग (❋) (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न १९७-जितने भी पापजनक निष्प्रयोजन कार्य हैं, उन्हें कहते हैं।
(१) गुणव्रत (२) दिग्व्रत
(३) देशव्रत (४) अनर्थदण्ड व्रत (❋)

प्रश्न १९८-व्रतों का एकदेश भंग हो जाना है।
(१) अनाचार (२) अतिचार (❋)
(३) सदाचार (४) अतिक्रमण

प्रश्न १९९-मूलगुणों और अणुव्रतों को दृढ़ करने वाले व्रत होते हैं।
(१) गुणव्रत (❋) (२) महाव्रत
(३) शिक्षाव्रत (४) अणुव्रत

प्रश्न २००-जो ज्ञान द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव की मर्यादा लिए हुए परकीय मनोगत सरल और गूढ़ पदार्थों को जानता है, उसे कहते हैं।
(१) केवलज्ञान (२) मतिज्ञान
(३) मनःपर्यय ज्ञान (❋) (४) श्रुतज्ञान

प्रश्न २०१-वैराग्य का उत्पन्न करने वाली माता कौन है?
(१) सोलहकारण भावना (२) अनुप्रेक्षा (❋)
(३) चिन्तन (४) जिनवाणी

प्रश्न २०२-वैराग्य क्या है?
(१) राग-द्वेष का त्याग करना (२) पाँच पापों का त्याग करना
(३) घर परिवार का त्याग करना (४) संसार, शरीर, भोगों से उदासीन होना (❋)

प्रश्न २०३-एकत्व भावना और अन्यत्व भावना में अन्तर है।
(१) हेय उपादेय रूप (२) कार्य कारण रूप (❋)
(३) निमित्त नैमित्तिक रूप (४) भिन्न-अभिन्न रूप

प्रश्न २०४-विषय-कषायों की ओर प्रवृत्ति करना है।
(१) शुद्ध उपयोग (२) अशुद्ध उपयोग
(३) शुभ उपयोग (४) अशुभ उपयोग (❋)

प्रश्न २०५-संसार की कोई वस्तु मेरी नहीं है, शरीर मेरा नहीं है, मैं सबसे भिन्न हूँ ऐसी भावना है।
(१) अशुचि भावना (२) संसार भावना
(३) अन्यत्व भावना (❋) (४) एकत्व भावना

प्रश्न २०६-भावनाओं के चिन्तन का क्या फल है?
(१) व्रत दृढ़ होते हैं (२) चारित्र दृढ़ होता है
(३) रत्नत्रय दृढ़ होता है (४) वैराग्य दृढ़ होता है (❋)

प्रश्न २०७-बोधि क्या है?
(१) रत्नत्रय की प्राप्ति होना (❋) (२) ११ अंगों का ज्ञान होना
(३) १४ पूर्वों का ज्ञान होना (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न २०८-किसको अतिदुर्लभ कहा गया है?

(१) सम्यग्दर्शन (२) सम्यग्ज्ञान (❋)

(३) सम्यक् चारित्र (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न २०९-समाधि क्या है?

(१) सल्लेखना करना (२) काय को कृश करना

(३) कषाय को कृश करना (४) बोधि को निर्विघ्न अगले भव तक ले जाना (❋)

प्रश्न २१०-ग्रैवेयक में कौन जीव जन्म लेता है?

(१) द्रव्यलिंगी साधु (२) भाव लिंगी साधु (❋)

(३) केवलज्ञानी (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न २११-यत्नाचार पूर्वक प्रवृत्ति का नाम है।

(१) ईर्या समिति (२) भाषा समिति

(३) गुप्ति (४) समिति (❋)

प्रश्न २१२-मन, वचन, काय की प्रवृत्ति की निवृत्ति का नाम है

(१) ईर्या समिति (२) भाषा समिति

(३) गुप्ति (❋) (४) समिति

प्रश्न २१३-स्तव कहते हैं।

(१) २४ तीर्थंकरों की समूह पूजा (२) २४ तीर्थंकरों की समूह स्तुति (❋)

(३) २४ तीर्थंकरों की समूह वन्दना (४) २४ तीर्थंकरों की समूह भक्ति

प्रश्न २१४-वन्दना कहते हैं।

(१) एक तीर्थंकर की पूजा (२) एक तीर्थंकर की स्तुति (❋)

(३) एक तीर्थंकर की वन्दना (४) एक तीर्थंकर की भक्ति

प्रश्न २१५-द्रव्य की प्रत्येक अवस्था में जो अन्वय रूप से रहता है, उसे कहते हैं।

(१) पर्याय (२) गुण (❋)

(३) गुणी (४) ज्ञान

प्रश्न २१६-जिसके द्वारा जाना जाता है, उसे कहते हैं।

(१) ज्ञाता (२) ज्ञेय

(३) ज्ञान (❋) (४) ध्यान

प्रश्न २१७-चिदेश रूप कर्त्ता कौन है?

(१) मन (२) आत्मा (❋)

(३) इन्द्रियाँ (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न २१८-ध्यान करने योग्य पदार्थ को कहते हैं।

(१) ध्यान (२) ध्याता

(३) ध्येय (❋) (४) स्वाध्याय

प्रश्न २१९-जो वस्तु के सर्वांश को जानता है।

(१) नय (२) मतिज्ञान

(३) निक्षेप (४) प्रमाण (❋)

प्रश्न २२०-अरिहंत परमेष्ठी के मुख्य गुण कौन से हैं?

(१) अनंतदर्शन,अनंतज्ञान,अनंतसुख (२) वीतरागी, सर्वज्ञ, हितोपदेशी (❋)

(३) क्षायिकसम्यक्त्व, क्षायिकज्ञान (४) उपरोक्त सभी

प्रश्न २२१-वेदनीय और नाम कर्म के अभाव से कौन से गुण प्रकट होते हैं।

(१) अनंत सुख , अनंत वीर्य (२) अनंत दर्शन, अनंत ज्ञान

(३) अगुरुलघुत्व, अवगाहनत्व (४) अव्याबाधत्व, सूक्ष्मत्व (❋)

प्रश्न २२२-अवगाहनत्व और अगुरुलघुत्व गुण किस कर्म के अभाव से प्रकट होते हैं।

(१) वेदनीय और नाम कर्म (२) आयु और गोत्र कर्म

(३) आयु और नाम कर्म (४) नाम और गोत्र कर्म (❋)

प्रश्न २२३-जीव का निज पद कौन सा है?

(१) जहाँ आत्मा द्रव्य और भाव से शुद्ध है (२) अनंतदर्शन-ज्ञान से स्थायीपने को प्राप्त है

(३) निज स्वभाव से अभिन्न है (४) उपरोक्त सभी (❋)

प्रश्न २२४-आभ्यन्तर परिग्रह में कौन-कौन नहीं है?

(१) क्रोध, मान (२) मिथ्यात्व, भय

(३) माया, लोभ (४) क्षेत्र, वास्तु (❋)

प्रश्न २२५-चिद्भाव रूप कर्म क्या है?

(१) प्रकृति के द्वारा किया हुआ चित् भाव (२) मन के द्वारा किया हुआ चित् भाव

(३) पुरुष के द्वारा किया हुआ चित् भाव (४) आत्मा के द्वारा किया हुआ चित् भाव (❋)

प्रश्न २२६-आ. श्री विद्यासागर जी महाराज ने केवलज्ञान का पर्यायवाची नाम क्या बताया?

(१) विमलज्ञान (२) विशुद्ध ज्ञान

(३) विशुद्धतम ज्ञान (४) विद्यासागर (❋)

प्रश्न २२७-पहले हिन्दी पढ़ना सीखो, बाद में संस्कृत पढ़ना-ऐसा किसने किससे कहा?

(१) आ. श्री विद्यासागर जी ने मुनिसंघ से (२) विद्याकुमारसेठी ने ब्र. विद्याधर से (❋)

(३) आ. श्री विद्यासागर जी ने आर्यिका संघ से (४) आ. श्रीविद्यासागरजी ने अनन्तनाथ से

प्रश्न २२८-आ.श्री विद्यासागर जी और मुनि श्री मल्लिसागर जी (गृहस्थ जीवन के पिताजी) चातुर्मास एक साथ कब और कहाँ हुआ?

(१) फिरोजाबाद, सन् १९७५ (२) मिथ्यात्व, भय

(३) माया, लोभ (४) ईसरी, सन् १९८३ (❋)

प्रश्न २२९-मुनि श्री मल्लिसागर जी ने कब, कहाँ, किससे दीक्षा ली?

(१) १९७५, फिरोजाबाद, आ. धर्मसागरजी से (२) १९७६, फिरोजाबाद, आ. धर्मसागरजी से

(३) १९७५, मुजफ्फरनगर, आ. धर्मसागरजी से (४) १९७६,मुजफ्फरनगर,आ.धर्मसागरजीसे(❋)

प्रश्न २३०-आ. श्री विद्यासागर जी का प्रवचन कब, कहाँ, किस सभा में हुआ था?

(१) २०१६, सागर, विधानसभा (२) २०१६, विदिशा, विधानसभा

(३) २०१६, भोपाल, विधानसभा (❋) (४) २०१६, जबलपुर, विधानसभा

प्रश्न २३१-आ. श्री विद्यासागर जी की चक्षु इन्द्रिय से संबंधित कृति कौन सी है?

(१) नरम आँखें (२) डबडबाती आँखें (❋)

(३) बोलती आँखें (४) गुनगुनाती आँखें

प्रश्न २३२-आ. श्री विद्यासागर जी ने अब तक कितने भजन लिखे?

(१) ९ (२) ७ (❋)

(३) ११ (४) ८

प्रश्न २३३-मुनि श्री योगसागर जी के बड़े भाई की बहिन के पिता की पत्नि की ननद के पिता का नाम बताओ।

(१) ब्रह्मप्पा (२) आदप्पा

(३) मलप्पा (४) पारिसप्पा (❋)

प्रश्न २३४-कौन सा भाव अनादि अनन्त है?

(१) औदयिक भाव (२) पारिणामिक भाव (❋)

(३) क्षायोपशमिक भाव (४) क्षायिक भाव

प्रश्न २३५-औदयिक भाव वाले जीव कितने हैं

(१) संख्यात (२) असंख्यात

(३) अनन्त (४) अनन्तानन्त(❋)

प्रश्न २३६-एक साथ पाँच भाव किसके हो सकते हैं?

(१) क्षयोपशम सम्यग्दृष्टि के उपशम श्रेणी चढ़ते समय

(२) क्षायिक सम्यग्दृष्टि के उपशम श्रेणी चढ़ते समय (❋)

(३) उपशम सम्यग्दृष्टि के उपशम श्रेणी चढ़ते समय

(४) कोई नहीं

प्रश्न २३७-वह कौन सा क्षेत्र है जहाँ आ. श्री विद्यासागर जी का चातुर्मास, वाचना और दीक्षा दी ?

(१) सोनागिरी (२) नैनागिरी

(३) द्रोणगिरी (४) मुक्तागिरी (❋)

प्रश्न २३८-एक तीर्थंकर का नाम जो मुनि भी हैं।

(१) मुनि श्री संभवसागर जी (❋) (२) मुनि श्री निर्मोहसागर जी

(३) मुनि श्री निष्पक्षसागर जी (४) मुनि श्री निष्कामसागर जी

प्रश्न २३९-जो सहनशीलता सिखलाती है, आ.श्री विद्यासागर जी की वह कौन सी कृति है?

(१) सुनीति शतक (२) परिषहजय शतक (❋)

(३) भावना शतक (४) श्रमण शतक

प्रश्न २४०- ..... बन जा, घट.....भरा, ...तैरता।

(१) खाली, तैरता, खाली (२) भरा, तैरता, भरा

(३) भरा, डूबता, भरा (४) खाली, डूबता, खाली(❋)

प्रश्न २४१- किन्तु आज तक अशुद्धता का विकास ह्रास, शुद्धता का विकास प्रकाश केवल अनुमान का विषय रहा-ये किस कृति की पंक्तियाँ हैं?

(१) तोता क्यों रोता (२) सर्वोदय शतक

(३) नर्मदा का नरम कंकर (❋) (४) मूकमाटी महाकाव्य

प्रश्न २४२- अनन्तशक्ति-रच्छेद्यस् , त्रिपुरारिस्-त्रिलोचनः किस स्तोत्र की पंक्तियाँ हैं?

(१) कल्याण मंदिर स्तोत्र (२) भक्तामर स्तोत्र

(३) जिनचतुर्विंशतिका स्तोत्र (४) सहस्त्रनाम स्तोत्र (❋)

प्रश्न २४३- खास दास की आस बस, श्वास-श्वास पर वास। पार्श्व करो मत दास को, उदासता का दास। ये पंक्तियाँ आ. श्री विद्यासागर जी की किस कृति से हैं?

(१) दोहा दोहन (२) दोहा थुदि (❋)

(३) दोहावली (४) दोहा शतक

प्रश्न २४४- विद्याष्टकम् कृति के रचयिता कौन है?

(१) मुनि श्री समयसागर जी (२) मुनि श्री योगसागर जी

(३) मुनि श्री नियमसागर जी (❋) (४) मुनि श्री सुधासागर जी

प्रश्न २४५- आ.श्री ज्ञानसागर जी की कृतियाँ हैं।

(१) सचित्त विचार (२) सरल जैन विवाह विधि

(३) इतिहास के पन्ने (४) उपरोक्त सभी (❋)

प्रश्न २४६- आ.श्री ज्ञानसागर जी को कौन सी उपाधि या पद प्राप्त हुए?

(१) चारित्र चक्रवर्ती पद (२) न्याय तीर्थ पद

(३) उपाध्याय पद (४) उपरोक्त सभी (❋)

प्रश्न २४७- तीर्थंकर प्रकृति किस कर्म की उत्तर प्रकृति है?

(१) मोहनीय कर्म (२) गोत्र कर्म

(३) नाम कर्म (❋) (४) वेदनीय कर्म

प्रश्न २४८- मन एवं इन्द्रियों के विषय जिसके अधीन हैं, ऐसे संयमी मुनि का शरीर जिनागम में आयतन कहा गया है-ये किसने कहा?

(१) आ. श्री शान्तिसागर जी (२) आ. श्री ज्ञानसागर जी

(३) आ. श्री विद्यासागर जी (❋) (४) आ. श्री शिवसागर जी

प्रश्न २४९- आ.श्री विद्यासागर जी ने किस मुनिराज को कितने दिन में तत्त्वार्थ सूत्र याद करके सुनाया?

(१) अतिबल महाराज को ४,५ दिन में (२) अतिबल महाराज को ६,७ दिन में

(३) देशभूषण महाराज को ५,६ दिन में (४) महाबल महाराज को ७,८ दिन में (❋)

प्रश्न २५०- आ.श्री विद्यासागर जी की दीक्षा के समय आ. श्री ज्ञानसागर जी को कौन सी उपाधि से विभूषित किया गया?

(१) चारित्र चक्रवर्ती (२) चारित्र विभूषण (❋)

(३) चारित्र नायक (४) चारित्र भूषण